श्री रामदास अठावले : मेरी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया, जो कि बाबा साहेब अम्बेडकर जी की पार्टी है, यह पार्टी 3 अक्टूबर, 1957 को स्थापित हुई थी। मैं इस पार्टी का अध्यक्ष हूँ और मेरी पार्टी मोदी साहब के साथ हमेशा रहेगी। जब तक मोदी जी स्ट्राँग हैं, हम सब मिल कर आगे बढ़ रहे हैं..

MR. CHAIRMAN: Thank you.

श्री रामदास अठावले: इस समय राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर चर्चा चल रही है। ...(**व्यवधान**)... मैं उसका सपोर्ट करता हूँ।

MESSAGES FROM LOK SABHA

The Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order (Amendment) Bill, 2024
&
The Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Tribes Order (Amendment) Bill, 2024

MR. CHAIRMAN: Now, Message from Lok Sabha; Secretary-General.

SECRETARY-GENERAL: Sir, with your kind permission, I rise to report that the Lok Sabha, at its sitting held on 6th February, 2024, passed (i) The Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Castes Order (Amendment) Bill, 2024 and (ii) The Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Tribes Order (Amendment) Bill, 2024.

I lay a copy each of the said Bills on the Table.

MOTION OF THANKS ON PRESIDENT'S ADDRESS - *Contd.*

MR. CHAIRMAN: Shri Mithlesh Kumar.

श्री मिथलेश कुमार (उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति जी, आपने मुझे महामहिम महोदया के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का जो अवसर दिया है, इसके लिए मैं आपके प्रति आभार प्रकट करता हूँ। साथ ही, हमारे देश के यशस्वी प्रधान मंत्री आदरणीय मोदी जी, अपनी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री जे.पी. नड्डा जी, आदरणीय गृह मंत्री जी, हमारे आदरणीय सदन के नेता तथा हमारी पार्टी ने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए भी मैं सबके प्रति बहुत आभार व्यक्त करता हूँ।

महामहिम राष्ट्रपति जी ने अभिभाषण से न केवल सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला है, बल्कि हमें सुधार, प्रदर्शन और प्रवर्तन यानी reform, perform and transform के सिद्धांतों के इर्द-गिर्द बुनी गई पिछले दस वर्षों की गौरवशाली गाथा से भी अवगत कराया है।

माननीय सभापति महोदय, भारत जैसे शक्तिशाली और विविधतापूर्ण देश को एक मजबूत नेता की आवश्यकता है, जो उसका समग्र विकास सुनिश्चित करे और हमारे लोगों को 2014 में हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी में ऐसा करने का साहस और करिश्मा मिला। युगों के बाद हमारे देश को उनके जैसा कद्दावर नेता मिला, जिसने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के निर्माण की दिशा में एक दशक तक सरकार का सफलतापूर्वक मार्गदर्शन किया है। विपक्षी सदस्य हमारी सरकार को हर समय गिराने की योजना बनाते रहते हैं और उनके नेक इरादों और प्रयासों को जुमले कह कर उनका मजाक उड़ाते हैं, जबकि इस देश के नागरिकों ने राज्यों में और देश में कई स्तरों पर भाजपा सरकार पर अपना भरोसा जताया है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि माननीय प्रधान मंत्री मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार ने उनके सपनों का भारत, विकसित भारत बनाने के लिए दृढ़ संकल्प प्रयास किया है। हमारी सरकार ने उस भारत की दिशा में काम किया है, जो किसी से नहीं डरता। भारत में महिलाएँ, युवा, गरीब, किसान और अल्पसंख्यकों को उड़ान भरने और अपने सपनों को पूरा करने के समान अवसर मिले हैं। यह भारत जवान, किसान, विज्ञान और अनुसंधान का जश्न मनाता है।

महोदय, मैं ग्रामीण विकास की बात करना चाहता हूँ। हमारे देश के माननीय प्रधान मंत्री जी ने गाँधी जी के दिखाए हुए रास्ते - भारत का विकास तभी सुनिश्चित किया जा सकता है, जब विकास का लाभ ग्रामीण भारत तक पहुँचे - इस पर विश्वास करते हुए काम किया है। हमारे गाँव हमारे देश का दिल है और हमारी सरकार ने उनके बारे में गहरी चिंता दिखाई है। मेरे पास अपने कथन के समर्थन में ढेर सारे उदाहरण हैं। 'प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना' ने 99 प्रतिशत से अधिक पात्र और व्यावहारिक बस्तियों को जोड़ा है। अप्रैल, 2014 से कुल 64,344 बस्तियों को जोड़ा गया है और 2,03,200 करोड़ रुपए की निवेश के साथ अप्रैल, 2014 से 3,69,950 किलोमीटर लंबी सड़क और 8,095 पुल बनाए गए हैं।

माननीय सभापति महोदय, हर व्यक्ति का सपना होता है कि उसका अपना भी घर हो। घर के उस सपने को पूरा करने के लिए प्रधान मंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में इस सरकार ने काम किया है और उसके सपने को पूरा किया है। मैं गौरव के साथ कहता हूँ कि 'प्रधान मंत्री आवास योजना ग्रामीण' के तहत 2 करोड़ 94 लाख से अधिक घर स्वीकृत किए गए, जिनमें से 2 करोड़ 54 लाख घरों का निर्माण कार्य अब पूरा हो चुका है। हमारी सरकार ने पूरी लगन से यह सुनिश्चित किया है कि 'पीएम आवास योजना' का लाभ हमारी माताओं और बहनों तक पहुँचे। इस योजना के तहत 70 प्रतिशत घर पूरी तरह से माताओं और बहनों के नाम और संयुक्त रूप से महिलाओं के नाम पंजीकृत है। हमारी सरकार का मानना है कि नारी शक्ति का वित्तीय सशक्तिकरण देश के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, जैसे स्वयं सहायता समूह, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, आदि। 9 करोड़ 95 लाख महिलाओं को 90 लाख 18 हजार स्वयं सहायता समूहों में सफलतापूर्वक संगठित किया गया है।...(**समय की घंटी**)...

MR. CHAIRMAN: Please round up.

श्री मिथलेश कुमार : महोदय, इस मिशन के अंतर्गत इस योजना के तहत समर्थन देने के लिए 38,893 करोड़ रुपए का संचय किया गया है। मान्यवर, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि हमारी पंचायतों की डिजिटल परिवर्तन के लिए उल्लेखनीय उपलब्धियाँ वास्तव में सराहनीय है। आज तक वर्ष 2022-23 के लिए 2,56,407 ग्राम पंचायत विकास योजनाएँ और वर्ष 2023-24 के लिए 2,52,220 जीपीडीपी सावधानीपूर्वक तैयार किए गए हैं।...(**समय की घंटी**)...

MR. CHAIRMAN: Your time is five minutes only.

श्री मिथलेश कुमार : महोदय, अकेले वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रभावशाली 2,51,000 ग्राम पंचायतों ने ई-ग्राम स्वराज, पीएफएमएस इंटरफेस का.....

MR. CHAIRMAN: Please conclude.

श्री मिथलेश कुमार : महोदय, एक मिनट का समय और दे दीजिए।

श्री सभापतिः ओके। आपने इतनी मिठास से समय माँगा है, इसलिए आपको एक मिनट का और समय दिया जाता है।

श्री मिथलेश कुमारः महोदय, जब हम ग्रामीण सशक्तिकरण में मोदी सरकार के अभूतपूर्व कार्यों पर चर्चा कर रहे हैं, तो हमें यह बात कहना महत्वपूर्ण है कि कैसे इस सरकार ने पवित्र धागे से बुनी हमारी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षक की कुशलतापूर्वक भूमिका निभाई है। माननीय प्रधान मंत्री जी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने गंगा नदी को स्वच्छ और पुनर्जीवित करने हेतु संकल्प लिया है। आगे किए गए जटिल कार्यों को भौगोलिक भूभाग से नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और सामाजिक विश्वास से चलाया है।

श्री सभापतिः मिथलेश जी, आप आखिरी पेज पर आइए।

श्री मिथलेश कुमारः सर, मैं आखिरी पेज पर ही हूँ। 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम महिलाओं के लिए, दिव्यांगों के लिए, खेल को बढ़ाना देने और ग्रामीण तथा स्वजातीय जनजातीय खेलों को बढ़ावा देने जैसे विशिष्ट क्षेत्रों को भी प्राथमिकता देता है। भविष्य की प्रतिभाओं को निखारने के लिए वर्तमान सरकार ने कई 'खेलो इंडिया' केन्द्र स्थापित किए हैं। भारत सरकार के द्वारा 'खेलो इंडिया' योजना के तहत देश भर में 1,000 जिला केंद्र स्थापित किए गए हैं और मणिपुर में 800 करोड़ की लागत से भारत के पहले राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय का निर्माण इस दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम बताता है।

मानसनीय सभापति महोदय, मैं उत्तर प्रदेश से आता हूँ। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि अयोध्या में रामलला की भव्य प्राण-प्रतिष्ठा का आयोजन करने के लिए मैं अपने देश के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति सदैव कृतज्ञता व्यक्त किए बिना अपना भाषण पूरा नहीं कर सकता हूँ। उनके इस पुण्य कार्य ने कई करोड़ लोगों के 500 वर्षों के इंतजार और संघर्ष को समाप्त किया है। यह क्षण हमारी सामूहिक आकांक्षाओं और दृढ़ता की विजय का प्रतिबिंब होने का वादा करता है। हमारी सरकार द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों को देखते हुए राम राज्य की प्राप्ति की कल्पना करना कोई दूर का सपना नहीं है। मुझे पूरा यकीन है कि हम जिस परिवर्तनकारी गति से आगे बढ़ रहे हैं, उस तक पहुंच जाएंगे।

MR. CHAIRMAN: Thank you, Mithlesh ji.

श्री मिथलेश कुमार: मुझे यकीन है कि हमारे लोग फिर से अपना भरोसा दिखाएंगे और 2024 में एक समृद्ध और विकसित राष्ट्र बनाने की यात्रा में मोदी जी और हमारी सरकार का समर्थन करेंगे। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Dr. Anil Sukhdeorao Bonde, not present. Shri Ajay Pratap Singh. You have five minutes.

श्री अजय प्रताप सिंह (मध्य प्रदेश): माननीय सभापति महोदय, आप दो बार सदन की समय-सीमा बढ़ा चुके हैं। यहां पर बैठे हुए लोग भी काफी थक चुके हैं, सुनते-सुनते भी थक चुके हैं। अभिभाषण के संदर्भ में जो विषय आने चाहिए थे, वे लगभग विभिन्न वक्ताओं के माध्यम से प्रस्तुत हो चुके हैं। मैं एक-दो बातें कहकर ही अपनी बात समाप्त करूंगा। मुझे बड़ी प्रसन्नता हुई कि इस अभिभाषण पर एक सार्थक चर्चा हुई है, एक लंबी चर्चा हुई है और इस सार्थक चर्चा के पश्चात् सभी पक्षों के विचार सुनने को मिले। हम हमेशा से ही विपक्ष के विचारों का स्वागत करते रहे हैं। कबीर ने भी कहा है:

"निंदक नियरे राखिए, आँगन कुटी छवाय,
बिन पानी, साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय।"

हम विपक्ष के विचारों का भी विशेष रूप से दो मकसदों से स्वागत करते हैं और उनको सुनने के लिए उत्सुक रहते हैं। पहला तो यह है कि अगर उनके माध्यम से कोई सार्थक विचार आता है तो हमको अपने आप में सुधार करने का एक अवसर प्राप्त होता है। दूसरा, जब वे सदन में बोलते हैं तो हमको यह भी आभास होता है कि अब उनके मन में क्या खुराफात चल रही है और उसके आधार पर भी हम राजनैतिक रूप से अपने आप को तैयार करते हैं।

सभापति महोदय, इस अभिभाषण में राम मंदिर का उल्लेख है। 22 जनवरी एक ऐतिहासिक तिथि है। जब हम समकालीन इतिहास को देखते हैं, इतिहास के साथ-साथ चलते हैं तो शायद उसकी गंभीरता का हमको इतना एहसास नहीं होता है, लेकिन जब कुछ समय बीत जाता है तो फिर हमको उस घटना का, उस तिथि का विशेष महत्व प्रतीत होता है। आज जो राम

मंदिर बना है, उस राम मंदिर के लिए जितने भी आंदोलन हुए हैं, उनमें से लगभग सभी आंदोलनों में मैंने अपनी युवावस्था में भाग लिया। हम लोग गांव-गांव घूमकर शिला पूजन किया करते थे। जब पहली बार कार सेवा का आह्वान हुआ और 1990 में हमने चित्रकूट में अपनी गिरफ्तारी दी तो 7 दिनों तक हमको नैनी जेल में रखा गया। 1992 में जब बाबरी का ढांचा गिराया गया था, तब हम लोग अयोध्या में 15 दिन रहे। उस समय हमको यह एहसास नहीं होता था कि हम इतने बड़े आंदोलन का अंग बन रहे हैं, इतनी बड़ी घटना में हम अपना योगदान दे रहे हैं। आज जब राम मंदिर बनकर तैयार हुआ है, तो अपने आप में हमें एक गौरव की अनुभूति होती है, गर्व की अनुभूति होती है। महोदय, रामलला का जो राम मंदिर बना है, जो लोकार्पित हुआ है, वह महज़ एक मंदिर नहीं है। इस मंदिर के माध्यम से भारत के गौरव की प्रतिष्ठा स्थापित हुई है।

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, the time extended up to 8.30 p.m. is further extended up to 9.00 p.m. Please continue.

श्री अजय प्रताप सिंहः महोदय, भारत के स्वाभिमान की प्रतिष्ठा स्थापित हुई है, भारत की अस्मिता की प्रतिष्ठा स्थापित हुई है। महोदय, सवाल यह उठता है कि राम मंदिर आज इतना महत्वपूर्ण क्यों हो गया है! अगर हम इतिहास में झांकें, तो जो हमारा हज़ार वर्षों का इतिहास रहा है, इन हज़ार वर्षों में हमारे जो भी मानबिंदु थे, हमारे जो प्रतीक चिन्ह थे, उनका मानमर्दन किया गया, विभिन्न मंदिरों को ढहाया गया। क्यों ढहाया गया! इसलिए ढहाया गया कि भारत का जो मान था, भारत का जो गर्व था, भारत का जो स्वाभिमान था, उसको पददलित करना चाहते थे, भारत के लोगों को नीचा दिखाना चाहते थे। आज भारत का वह स्वाभिमान इस मंदिर के माध्यम से एक बार फिर स्थापित हुआ है। माननीय सभापति महोदय, आज मोदी जी के नेतृत्व में भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। यह जो अमृत काल के वर्ष हैं, वर्ष 2023 से लेकर वर्ष 2047 तक इस अमृत काल में मोदी जी ने लक्ष्य तय किया है कि भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है, जिसका उल्लेख इस अभिभाषण में है। विकसित राष्ट्र बनाने के लिए जो उन्होंने रोड मैप तय किया है, विकसित राष्ट्र बनाने के लिए उन्होंने जिन चार खम्भों की कल्पना की है, जिन चार वर्गों के विकास की कल्पना की है, इन चार वर्गों के लिए जो विभिन्न योजनाएं लागू की हैं, उनके माध्यम से जो उनके जीवन में परिवर्तन आ रहा है, उनके माध्यम से उनका जीवन आसान हो रहा है, उनके माध्यम से गांवों में जो अवसंरचना का सुधार हो रहा है, उनके माध्यम से नारी शक्ति में जो आर्थिक शक्ति जागृत हो रही है, नारी शक्ति में एक स्वाभिमान की भावना जागृत हो रही है, उनके माध्यम से जो हमारे नौजवानों में वित्तीय समावेशन हो रहा है, उनके माध्यम से नौजवानों को जो रोज़गार प्राप्त करने के लिए, स्वरोज़गार खड़ा करने के लिए प्रेरणा प्राप्त हो रही है - यही सही रास्ता है। इसी सही रास्ते पर चलकर भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा। इस अभिभाषण में माननीय महामहिम राष्ट्रपति महोदया ने इन सारे बिंदुओं का उल्लेख किया है। मैं उन बिंदुओं को दोहराता नहीं हूं और माननीय राष्ट्रपति महोदया ने जो अभिभाषण दिया है, उसके लिए अपनी तरफ से हृदय की गहराइयों से धन्यवाद ज्ञापित करता हूं और अपना वक्तव्य समाप्त करता हूं, बहुत-बहुत धन्यवाद!

MR. CHAIRMAN: Shri Kailash Soni, not present. Shri Harnath Singh Yadav, not present. Shrimati Kanta Kardam, not present. Dr. Anil Jain, not present. Shri Rakesh Sinha, not present. Shri Rakesh Sinha was here a minute ago. Shri K. Vanlalvena, not present. Hon. Members, अजय प्रताप सिंह जी ने बहुत अच्छा भाषण दिया, अपने अनुभव बताए, पर एक बात कह गए कि सुनते-सुनते थक गए हैं - नहीं - इस सदन में बोला हुआ एक-एक शब्द इतिहास में रिकॉर्ड होता है। Future generations will read what you have spoken today. मैंने कुछ चीज़ें देखी हैं and I find many of the Members are far more experienced than I am. But, very often, a Member will make a speech and then leave the House. This House is meant not only for participation by making an address, but you also participate by listening to the debate and that is indeed very enlightening. When I was a young Member of Parliament, senior Members told me, the time you spend in the House will decide how effective you will be in future in your life.

The Members who are not present and have not availed the opportunity made available to them forfeit their right for tomorrow. We will take up the remaining Members' address tomorrow.

The House stands adjourned to meet at 11 a.m. on Wednesday, the 7th February, 2024.

The House then adjourned at thirty-five minutes past eight of the clock till eleven of the clock on Wednesday, the 7th February, 2024.